वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-185 सागवाड़ा, शनिवार, 12 मार्च, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

वेबसाइट पर लड़कियों के फोटो दिखाकर ऑनलाइन रुपए ठगने वाली गैंग का खुलासा

कोतवाली थाना पुलिस ने 8 आरोपियों को किया गिरफ्तार,1 नाबालिग डिटेन

डूंगरपुर। जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने वेबसाइट पर लड़कियों के फोटो डालकर ऑनलाइन रुपए ठगने वाली गैंग का खुलासा किया है। मामले में कोतवाली पुलिस ने 8 शातिर बदमाशो को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 1 नाबालिग को डिटेन किया है। उनके पास से कई सीम कार्ड, मोबाइल फोन जब्त कर लिए है। डूंगरपुर जिले के कोतवाली थाने के एएसआई देवेंद्रसिंह ने बताया की मुखबिर के जरिए सूचना मिली की गेपसागर की पाल बर्ड सेंचुरी पार्क रिंग रोड पर सुबह शाम कुछ लड़के बैठे रहते है। ये लड़के ओकेल्युट डॉट कॉम और लोकेंटो इस्कोका स्डुको वेबसाइट पर लड़कियों के अश्लील फोटो डालकर लोगों से ऑनलाइन रुपयों की ठगी करते है। बदमाश वेबसाइट पर लड़कियों के फोटो के साथ फोन नंबर देते है जिससे ठगी होती है। लड़कियों के फोटो देखकर युवा नंबरों पर संपर्क करते है और फिर लड़की उपलब्ध करवाने के नाम ऑनलाइन रुपए ऐंठ लेते है। मुखबिर की खबर पर पुलिस के साथ ही डीएसटी, साइबर सेल एक्टिव हो गई।

एएसआई देवेंद्र सिंह ने बताया की डीएसटी हेड कांस्टेबल नवीन कुमार, राजगोपाल, महावीर, मुकेश, साइबर सेल से जोगेंद्र सिंह जांच में जुट गए। साइबर सेल ने वेबसाइट खोलकर उनके दिए नंबर पर कॉल किया। बदमाश युवकों ने कुछ लड़कियों के अश्लील फोटो भेजे और लड़की चोइस करने के बाद रुपए मांगे। 200 -200 रुपए का ऑनलाइन पेमेंट किया। बदमाशो के फर्जीवाड़े का पता लगते ही कोतवाली थाने से कांस्टेबल भोपाल सिंह, मगनलाल समेत डीएसटी की टीम गैपसागर रिंग रोड पर दबिश दी। 9 युवक शहर की गेप सागर की पाल पर खड़े थे। पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो घबरा गए। उसकी तलाशी ली तो सभी के पास 2 से 3 मोबाइल मिले। उसके पास अलग - अलग सीम कार्ड भी थे। पुलिस ने मोबाइल की जांच की तो उनके पास वेबसाइट, नंबर और कई तरह की चीजे मिल गई। इस पर पुलिस ने 8 आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक नाबालिग को डिटेन किया है। वही पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जिसमे पता लगाया जा रहा है की इन बदमाशो ने कब-कब और किन-किन लोगो से ठगी की वारदात की है।

दांडी यात्रा के 92 वर्ष पूर्ण होने पर शहर में निकाला दांडी मार्च

कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बापू को किया याद

डूंगरपुर। महात्मा गांधी की ओर से निकाली गई दांडी यात्रा के 92 वर्ष पूर्ण होने पर डूंगरपुर जिले में महात्मा गांधी जिला दर्शन समिति की ओर से शहर में दांडी मार्च का आयोजन किया गया। वही कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित संगोष्ठी में महात्मा गांधी को याद किया गया। दांडी मार्च में समिति के संयोजक व राज्यमंत्री डॉ शंकर यादव भी शामिल हुए।

महात्मा गांधी ने अंग्रेजों द्वारा लागू नमक कानून के विरोध में 12 मार्च 1930 को दांडी मार्च की शुरुआत की गई थी। यह यात्रा अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से समुद्र तटीय गांव दांडी तक निकाली गई थी। इसी दांडी यात्रा के आज 92 वर्ष पूर्ण हो चुके है। इधर दांडी यात्रा के 92 वर्ष पूर्ण होने पर आज डूंगरपुर जिले में महात्मा गांधी जिला दर्शन समिति की ओर से शहर में दांडी मार्च निकाला गया। दांडी मार्च शहर के तहसील चौराहे से शुरू हुआ जो की शहर के विभिन्न मार्गो से होकर गुजरा और कलेक्ट्रेट पर जाकर सम्पन्न हुआ। महात्मा गांधी जिला दर्शन समिति के जिला संयोजक व राज्यमंत्री डॉ शंकर यादव के नेतृत्व में निकाली गए दांडी मार्च में स्कूली बच्चे व कई अधिकारी और कार्मिक शामिल हुए। दांडी मार्च के कलेक्ट्रेट पर पहुँचने पर कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर अनुसूचित जाति वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं महात्मा गांधी जिला दर्शन समिति के संयोजक डॉ शंकर यादव, पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर मणिलाल तीरगर सहित अन्य लोगो ने सूत की माला एवं पुष्पमाला अर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वही इस मौके पर महात्मा गांधी जिला दर्शन समिति की ओर से संगोष्ठी का भी आयोजन हुआ। संगोष्ठी में उपस्थित जन को संबोधित करते हुए डॉ शंकर यादव ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्श वर्तमान समय में भी अनुकरणीय है इस अवसर पर पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा ने कहा कि अनेक कुर्बानियों से स्वतंत्रता हासिल हुई है हमें उनके महान कार्यों का अनुकरण करना होगा। कार्यक्रम के अंत में उपखंड अधिकारी डूंगरपुर मणिलाल तीरगर ने आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में समाजसेवी मनोहर सिंह, शार्दुल चौबीसा, लक्ष्मी लाल जैन, सुखदेव यादव, मुस्तक मलिक, सह संयोजक उमेश रावल, कारीलाल मीणा, नीलेश पटेल, सिद्धार्थ मेहता, बृजेश सोमपुरा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सागवाडा थाना पुलिस ने डोडा चुरा के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार, दो किलो 200 ग्राम डोडा चुरा किया जब्त

सागवाड़ा। जिले की सागवाड़ा थाना पुलिस ने नवा टापरा गांव में डोडा चुरा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 2 किलो 200 ग्राम डोडा चुरा जब्त किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया की मुखबिर के जरिये नवा टापरा में के व्यक्ति द्वारा डोडा चुरा मादक पदार्थ लाने की सुचना मिली थी। मुखबिर के जरिये मिली सुचना पर सागवाडा थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, हेड कांस्टेबल हर्षवर्धन सिंह, कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह, लोकपाल सिंह, नागेन्द्रसिंह सागवाड़ा थाने से से रवाना होकर मुखबिर के बताए स्थान भाणजी मकवाणा के घर के पास पहुंचे। इस दौरान पुलिस ने नाकेबंदी शुरू की। वही नाकेबंदी करते समय सरोदा रोड की तरफ से भाणजी मकवाणा हाथ में एक सफेद कट्टे का थैला हाथ में लिए आता हुआ नजर आया । इधर पुलिस जाप्ता व जीप को देख कर भाणजी मकवाणा भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा करते हुए उसे दबोचा। वही पुलिस द्वारा भाणजी मकवाना की तलाशी लेने पर हाथ में पकड़े सफेद प्लास्टिक के थैले में एक पॉलिथीन की थैली मे डोडा चुरा भरा पाया।

महिला श्रमिकों द्वारा जलस्रोत की सफाई

गलियाकोट। नरेगा श्रमिक पूरा काम करते हुए पूरा दाम ले। उक्त उदगार जिला प्रमुख सूर्या देवी अहारी ने गलियाकोट पंचायत समिति के सोलोई ग्राम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। सफाई से रहने की आजादी की तर्ज पर शनिवार को जिले की कई ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा महिला श्रमिकों द्वारा जलस्रोत की सफाई करते हुए जलस्रोतों को साफ रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के तहत गलियाकोट पंचायत समिति की सिलोई ग्राम पंचायत में जिला प्रमुख सूर्या देवी अहारी, प्रधान जयप्रकाश पारगी एवं उप प्रधान कमला डिण्डोर ने भी दंतारी व फावड़ा पकड़ कर महिला श्रमिकों के साथ श्रम दान किया। साथ ही उन्होंने श्रमिकों से आव्हान किया कि ग्राम पंचायतों में जलस्रोतों की सफाई रखना हमारा मुख्य कार्य है । इस अवसर पर सरपंच मुकेश मोर, जिला आईईसी महेश जोशी, सहायक विकास अधिकारी हितेंद्र भावसार, समाज सेवी दिनेश पाटीदार, ईश्वरलाल पाटीदार, उप सरपंच रमणलाल पाटीदार , विजय भट्ट मौजूद थे।

डूंगरपुर की पहली महिला क्रिकेट टीम दौसा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेगी भाग

डूंगरपुर। जिले की पहली महिला क्रिकेट टीम दौसा में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय टेनिस बोल क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेगी।

13 से 15 मार्च तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए डूंगरपुर नगरपरिषद के सभापति अमृत कलासुआ ने महिला टीम को दौसा के लिए रवाना किया और प्रतियोगिता के लिए हौसला अफजाई की।

डूंगरपुर जिले में नगर परिषद के प्रोत्साहन से तैयार हुई पहली महिला क्रिकेट टीम आज जिले के बाहर अपनी पहली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दौसा जिले के लिए रवाना हुई। डूंगरपुर टेनिस बोल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मोहम्मद नईम ने बताया की दौसा जिले में 13 से 15 मार्च तक राज्य स्तरीय टेनिस बोल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमे डूंगरपुर जिले की भी महिला क्रिकेट टीम भाग लेगी। उन्होंने बताया की हाल ही में डूंगरपुर नगरपरिषद के प्रोत्साहन से तैयार हुई महिला क्रिकेट टीम पहली बार जिले से बाहर किसी प्रतियोगिता में खेलने जा रही है।

इधर दौसा राज्य स्तरीय टेनिस बोल क्रिकेट प्रतियोगिता में जाने से पहले डूंगरपुर नगरपरिषद के सभापति अमृतलाल कलासुआ शहर के लक्ष्मण मैदान पहुंचे और सभी महिला खिलाडियों से मुलाकात करते हुए प्रतियोगिता के लिए उनकी हौसला अफजाई की। इस मौके पर नगरपरिषद के सभापति अमृतलाल कलासुआ ने सभी महिला खिलाडियों का मुह मीठा करवाया और उनकी सफलता के लिए शुभकामनाये देते हुए दौसा के लिए रवाना किया। वही इस मौके पर सभापति अमृत कलासुआ ने महिला क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अच्छा प्रदर्शन करने पर नगर परिषद् उन्हें सुविधाए और संसाधन उपलब्ध कराएगी। टीम के साथ डूंगरपुर टेनिस बोल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मोहम्मद नईम और सचिव रमेश कटारा भी टीम केनेतृत्व में टीम दौसा पहुचेगी और प्रतियोगिता में डूंगरपुर का प्रतिनिधित्व करेगी।

युक्रेन के सूमी में फंसे 5 छात्र लौटे डूंगरपुर

कहा बर्फ को पिघलाकर बुझाई अपनी प्यास

डूंगरपुर। जिले के 250 से ज्यादा मेडिकल छात्र यूक्रेन में फंसे हुए थे उनमे से आखिरी 5 छात्रों का दल आज डूंगरपुर लौट आया। छात्रों के डूंगरपुर कलेक्ट्री पहुचने पर छात्रों के परिजनों और भाजपा नगर मंडल ने उनका जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान परिजन अपने बेटो की सकुशल वापसी से भावुक हो गए और उनके गले लग कर रो पड़े। वही युक्रेन के सूमी में फंसे इन छात्रों ने बताया की उन्होंने किस तरह से ये दिन वहा बिताये है। डूंगरपुर जिले के 250 ज्यादा युवा युक्रेन के अलग-अलग हिस्सों में मेडिकल की पढाई करने गए थे। रूस व युक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने से ये सब वहा फंस गए थे लेकिन केंद्र सरकार से गंगा ओपरेशन के तहत उनका लौटने का क्रम शुरू हुआ। वही ओपरेशन गंगा के तहत युक्रेन के सूमी में फंसे डूंगरपुर जिले के 5 अंतिम छात्र भी डूंगरपुर सकुशल लौट आये है। छात्रों के डूंगरपुर कलेक्ट्रेट पहुँचने पर छात्रों के परिजनों व भाजपा नगर मंडल के कार्यकर्ताओ ने सकुशल लौटे छात्रों का स्वागत किया। इस दौरान अपने बच्चो को सकुशल डूंगरपुर लौटने पर परिजन भावुक हो गए और उन्हें अपने गले से लगाकर रो पड़े। इस दौरान अतरिक्त जिला कलेक्टर केपी सिंह, नगर परिषद् सभापति अमृत कलासुआ और भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष दिलीप जैन ने भी यूक्रेन से लौटे छात्रों का माला और उपरणा पहनकर स्वागत किया।

यूक्रेन के सुमी से लौटे मेडिकल छात्र अक्षय जैन ने बताया कि वो शादी के कुछ महीनो बाद यूक्रेन चला गया इस दौरान ऊनकी पत्नी गर्भवती थी। 6 महीने पहले उनको बेटा हुआ था लेकिन उन्होंने उसको सिर्फ विडियो कॉल पर ही देखा था। यूक्रेन पर हुए रूस के हमले के बाद एक बार तो उन्हें लगा कि वह अब अपने घर जा भी पाएंगे या नहीं लेकिन अब अपने बेटे व् परिवार से मिलकर वे खुश है।

यूक्रेन से लौटे वैभव जैन ने बताया कि सेकड़ो भारतीय छात्र 15 दिनों तक सुमी में बंकरो में छिपे रहे। इस दौरान उन्हें लगातार फायरिंग और बमबारी की आवाजे आ रही थी साथ ही उन्हें पानी और भोजन को लेकर भी काफी परेशानिया उठानी पड़ी। इतना ही नहीं उन्होंने बताया की बर्फ को पिघला-पिघला कर उन्होंने अपनी प्यास बुजाई थी। इधर युक्रेन से लौटे सभी छात्रों ने सुरक्षित घर वापसी के लिए केंद्र व राज्य सरकार का आभार जताया।

मुख्यमंत्री का महिला सुरक्षा सखियों के साथ संवाद

बालिकाओं में आत्मविश्वास बढाने में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं महिला सखियां : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि महिला सुरक्षा सखियां महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में अहम भूमिका अदा कर रही हैं। आने वाले समय में महिला सुरक्षा सखी कार्यक्रम का दायरा बढ़ाते हुए और महिलाओं व बालिकाओं को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने प्रदेश में बालिकाओं को दिए जा रहे आत्मरक्षा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी विस्तार करने की बात कही है। गहलोत शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न थानों से जुडी महिला सुरक्षा सखियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षा सखियों को 10 में से 10 नम्बर देते हुए कहा कि आप सभी अपनी भूमिका बेहतर तरीके से निभा रही हैं। आपने बालिकाओं में सुरक्षा की भावना और उनमें आत्मविश्वास मजबूत करने

का काम किया है। इसके लिए आप सभी बधाई की पात्र हैं। उच्चैन, भरतपुर की महिला सखी मंजू ने जब मुख्यमंत्री को बताया कि वे 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आगे नहीं पढ़ पाई तो मुख्यमंत्री ने उन्हें आगे पढ़ने की प्रेरणा देते हुए पुलिस अधिकारियों को उनकी आगे की पढ़ाई सुनिश्चित करने में सहयोग करने के निर्देश दिए। सोड़ाला थाना क्षेत्र की महिला सखी टीना ने मुख्यमंत्री को बताया कि मनचलों की छेडछाड से परेशान लडकियों को पुलिस की मदद दिलाने में उन्होंने सहयोग किया तो मुख्यमंत्री ने उनकी हौंसला अफजाई की। बांसवाड़ा की अंजली खरबंदा ने बताया कि किस तरह उन्होंने गैंगरेप पीडिता की मदद कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया। मुख्यमंत्री ने जब उनसे पूछा कि आपको डर नहीं लगता तो अंजली का जवाब था कि महिला सुरक्षा सखी बनने के बाद वे डर के फेज से आगे निकल चुकी हैं। अब किसी भी मामले को लेकर पुलिस के पास अप्रोच करने में किसी तरह की झिझक नहीं होती। सुरक्षा सखियों का कहना था कि इस कार्यक्रम से महिलाओं में सुरक्षा का भाव बढ़ा है। खातौली, कोटा की आशा नामा, भिवाडी की नीलम ठाकुर, पाली की हिमांशी ने संवाद के दौरान बताया कि कैसे उन्होंने स्कूल जाने वाली बालिकाओं से छेडछाड रोकने, बाल विवाह रूकवाने और पति के अत्याचार से पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने में पुलिस के सहयोग से कामयाबी हासिल की। गहलोत से संवाद के दौरान अधिकतर महिला सखियों का सुझाव था कि महिला सखियों की बैठकें वार्ड अथवा मोहल्ले में हों तो महिलाएं अपनी पीड़ा बताने के लिए आगे आएंगी और पुलिस की मदद ले पाएंगी।

चोरों का बिछीवाड़ा पुलिस को चेलेंज, 3 दिन पहले जिस राशन की दुकान में की चोरी आज फिर उसी को बनाया निशाना, हजारों का राशन का गेंहू किया पार

डूंगरपुर। जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के करोली गांव में चोर बीती रात राशन की दुकान को निशाना बनाते हुए हजारों का राशन का गेंहू चुरा ले गए। 3 दिन पहले भी चोरों ने इसी राशन की दुकान को निशाना बनाया था। घटना को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। वही पुलिस को चोरो ने 3 दिन में एक ही राशन की दुकान को दूसरी बार निशाना बनाकर खुली चुनौती दे डाली है।

डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के करोली गाँव मे सरकारी राशन की दुकान चोरो का पसन्दीदा निशाना बन चुकी है। राशन की दुकान में तीन दिन में लगातार दूसरी बार चोरी होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। मामले के अनुसार करोली गाव की राशन की दुकान में 9 मार्च की रात को चोर ताला तोड़कर करीब 30 क्विन्टल गेंहू चुरा ले गए थे। उस चोरी की शिकायत लैम्प्स मैनेजर बालकृष्ण रावल ने बिछीवाड़ा पुलिस से कर रखी है। लेकिन पुलिस ने उस रिपोर्ट पर अभी तक अनुसंधान भी शुरू नही किया होगा उससे पहले बीती रात फिर से चोरों ने करोली गांव की राशन की दुकान को फिर से निशाना बना डाला। आज सुबह जब लोग उठे तो राशन की दुकान का शटर टूटा हुआ था वही राशन का गेंहू बाहर तक बिखरा हुआ था। जिस पर ग्रामीणों ने चोरी की सूचना सरपंच व राशन की दुकान के संचालन कर्ता लेम्प्स अध्यक्ष व मैनेजर को दी।

सूचना पर सरपंच बालशंकर मनात, लैम्प्स अध्यक्ष महेंद्र यादव, मैनेजर बालकृष्ण रावल मौके पर पहुँचे। मोके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ भी जमा हो गयी। इस दौरान ग्रामीणों ने बिछीवाड़ा पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इधर लेम्प्स अध्यक्ष व मैनेजर अब एक बार फिर हिसाब लगाने में जुटा है कि कुल कितना राशन का गेंहू चोरी हुआ है। लेकिन बताया जा रहा है कि आज भी हजारों का राशन का गेंहू चोरी हुआ है। इधर ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कनबा चौकी के स्टाफ को हटाने की मांग की है, ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में हुई मोटर चोरी की कई वारदातों का भी खुलासा नहीं हुआ है और अब राशन की दुकान को बारबार निशाना बनाया जा रहा है वही पुलिस हाथ पर हाथ धर कर बैठी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत से बिखरे परिवारों का फिर से हुआ मिलन, सालों से चल रहे प्रकरण राजीनामे से हुए निस्तारित

डूंगरपुर। जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। डूंगरपुर जिले में 1। बेंचो पर आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने लोगो को बड़ी राहत दी। इस दौरान पारिवारिक विवाद के चलते सालो से अलग रहे दो जोड़े फिर से एक हुए। तो वही सालो से लंबित प्रकरणों का राजीनामे से निस्तारण करते हुए सात करोड, चालीस लाख रुपये के अवार्ड राशि पारित की गई। डूंगरपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया ने बताया की डूंगरपुर जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके तहत डूंगरपुर न्यायिक क्षेत्र में 1। बेच स्थापित की गई। उन्होंने बताया की राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा डूंगरपुर न्यायक्षेत्र में लंबित प्रकरणों निस्तारण करते हुए सात करोड, चालीस लाख रुपये के अवार्ड राशि पारित की गई। डूंगरपुर न्यायक्षेत्र के कुल 3।1 एम.ए.सी.टी. रेफर प्रकरणों में से 88 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर राशि 3 करोड़ 36 लाख 38 हजार रूपये की अवार्ड राशि पारित की गई व पीडित पक्षकारान को त्वरीत राहत प्रदान की गयी। इसी तरह डूंगरपुर न्यायक्षैत्र के न्यायालयों में लंबित कुल 3069 रेफर प्रकरणों में से कुल 636 प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर कुल 4 करोड़ 40 लाख 94,03। रूपये की अवार्ड राशि पारित की गई।

इसी तरह प्री-लिटीगेशन में बैंक के धन वसुली, लाईट बिल, बी.एस.एन.एल के बकाया बिल कुल के 3346 रेफर प्रकरणों में से कुल 536 मामलों को निस्तारित किया जाकर कुल 2 करोड़ 9। लाख 9511। रूपये की राशी का राजीनाम किया गया।

बिखरे परिवार का हुआ मिलन

इधर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से पारिवारिक विवादों के चलते सालो से अलग रह रहे परिवारों का भी मिलन करवाया गया। डूंगरपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया ने बताया की पारिवारिक न्यायालय, डूंगरपुर में करीब डेढ़ साल से लंबित चल रहे प्रकरण मोगीबाई बनाम बद्री में पक्षकार दम्पति तनाव के दौर से गुजर रहे थे। रिश्तों की नाजूक डोर टुटने के कगार पर थी। पति-पत्नी लगभग 15 वर्ष से अलग रह रहे थे। लेकिन बिगडती बात को सुलह के प्रयास की दिशा में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आज सुलह समझाइश का दौर चला, बच्चों के भविष्य को लेकर चर्चा की गयी। बिखरे हुए रिश्तों के कई उदाहरण सामने रखे। जिस पर अलग रह रहे दम्पत्ति द्वारा नए सिरे से, दोनो ने एक-दूसरे के साथ राजी खुशी से रहने की शपथ लेते हुए एक दुसरे को माला पहनाई ओर राजी-खुशी दोनो साथ-साथ घर चले गये। इसी तरह समु बनाम पप्पु में पक्षकार दम्पति का विवाह लगभग 16 वर्ष पूर्व हुआ था जिनसे 04 संताने थी। पारिवारिक कलह एवं विवाद से पत्नी अपने पिता के घर चली गयी थी तथा न्यायालय में भरण पोषण मुकदमा भी दर्ज करा दिया था। दोनो पति पत्नी लगभग 02 वर्षो से अलग रह रहे थे दोनो के आपसी झगडे से बच्चें मानसिक पीडा में थे, बच्चे दर-दर की ठोकर खाने को मजबुर हो गये थे। लेकिन राष्ट्रीय लोक अदालत में भविष्य में पति-पत्नी के बच्चों पर पडने वाले असर की गंभीरता को दृष्टीगत समझाईश के प्रयास किए गए प्रयासो के फलस्वरूप अलग रह रहे दम्पत्ति द्वारा एक-दूसरे को माला पहना कर साथ रहने की शपथ ली गई।